

#### असाधारण

### EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

## प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं 532] नई बिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 14, 1976/ग्रग्रहायण 23, 1898

No. 532] NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 14, 1976/AGRAHAYANA 23, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्व ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compliation

#### CABINET SECRETARIAT

(Department of Cabinet Affairs)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December 1976

- S.O. 794(E).—In exercise of the powers conferred by clause (3) of article 77 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Government of India (Allocation of Business) (One hundred and nineteenth Amendment) Rules, 1976.
  - (2) They shall come into force at once.
- 2. In the Second Schedule to the Government of India (Allocation of Business) Rules, 1961,—
  - (1) under the heading "MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA)".
    - (a) under sub-heading "A. DEPARTMENT OF AGRICULTURE (KRISHI VIBHAG)".

- (1) for entry 6, the following entry shall be substituted, namely:-
- "6. Planning, development and control of and assistance to, all indusliament by law to be expedient in public interest, as far as these relate to:—
  - (a) Processing and refrigeration of certain agricultural products (Milk powder, Infant milk food, Malted milk food, Condensed milk, Ghee and other dairy products, Meat and meat products;
  - (b) Development of agricultural industries including machinery, fertilizer seeds and cattle-feed with the limitation that in regard to the development of agricultural industries including machinery and fertilizer, the functions of the Department of Agriculture (Krishi Vibhag) do not go further than the formulation of demands and the fixation of targets;
  - (c) Shellac Industry; and
  - (d) Processing of fish (including canning and freezing).";
  - (ii) in entry 7, the words "and processing of fish for industrial purposes" shall be omitted;
- (b) under sub-heading "B. DEPARTMENT OF FOOD (KHADYA VI-BHAG)", for entry 7, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "7. Industries, the control of which by the Union is declared by Parliament by law to be expedient in public interest, as far as these relate to:—
    - (a) Fruit and vegetable processing industry (including freezing and dehydration):
    - (b) Sugar Industry (including development of gur and Khandsari); and
    - (c) Foodgrain milling industry.";
- (2) under the heading "MINISTRY OF COMMERCE (VANIJYA MANTRALAYA)".
  - (a) under sub-heading "A. DEPARTMENT OF FOREIGN TRADE (VIDESH VYAPAR VIBHAG)", for entry 8, the following entry shall be substituted, namely:—
    - "8. Policies of State trading and performance of organisations established for the purpose, including;
      - (1) State Trading Corporation and its following subsidiarles:--
        - (a) Cashew Corporation of India;
        - (b) Projects & Equipment Corporation of India.
      - (ii) Mineral & Metals Trading Corporation.";
  - (b) under sub-heading "C. DEPARTMENT OF TEXTILES (VASTR VIBHAG)", after entry 8, the following entry shall be added, namely:—
    - "9, Handloom Development Commissioner.";
- (3) under the heading "MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WEL-FARE (SHIKSHA AUR SAMAJ KALYAN MANTRALAYA)", under sub-heading "A. DEPARTMENT OF EDUCATION (SHIKSHA VI-BHAG)", for entry 24, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "24. Grant of permission to teachers of Universities colleges and institutions of higher learning to accept assignments abroad.";

- (4) under the heading "MINISTRY OF INDUSTRY (UDYOG MANTRA-LAYA)", under sub-heading "A. DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT (AUDYOGIK VIKAS VIBHAG)", for entry 6, the following entry shall be substituted, namely:—
  - "6. Planning development and control of, and assistance to, all industries other than those dealt with by any other Department, but including industries relating to bread oilseed meals (edible), breakfast foods, biscuits, confectionery (including Cocoa processing and Chocolate making), malt extract protein isolate, high protein food, weaning food and extruded food products (including other ready-to-eat foods), instant Tea and Coffee."

F. A. AHMED, President.

[No. 74/2/6/76-CF]

R. M. AGRAWAL Jt, Secy.

# मंत्रिमंडल सिव्यालय (मंत्रिमंडल कार्य विभाग)

## ग्रधि सूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1976

का॰ था॰ 794(था).-- राष्ट्रपति, संविधान के ध्रनुच्छेद 77 के खण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 में भीर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थीत्:--

- 1. (1) इन नियमों का नाम भारत सरकार (कार्य ग्रावंटन) (एक सौ उन्नीसवां संगोधन) नियम, 1976 है।
  - (2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।
    - 2. भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची में,--
      - (1) "कृषि ग्रीर सिंचाई मंत्रालय" शीर्षक के श्रन्तर्गत,
        - (क) "क. कृषि विभाग" उप-मीर्षक के ग्रन्तर्गत,
          - (i) प्रविष्टि 6 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, श्रयौत्:--
            - "6. वे उद्योग, जिनके लिए संसद् ने विधि द्वारा घोषणा की है कि उन पर संघ का नियंत्रण लोकहित में समीचीन है, वहां तक जहां तक वे निम्न-लिखित से सम्बद्ध है:——
              - (क) कुछ कृषि उत्पादों (दुग्ध चूर्ण, शिशु दुग्ध श्राहार, माल्ट मिश्रित दुग्ध श्राहार, संघंनित दुग्ध, घी ग्रीर श्रन्य डेरी उत्पाद), मांस श्रीर मांस उत्पादों का संसाधन श्रीर प्रशीतन;

- (ख) कृषि उद्योगों (मशीनरी, उवरंक, बीज भीर पशु खाद्य सहित) का इस परिसीमा के साथ विकास कि कृषि उद्योगों (मशीनरी भीर उवरंक सहित) के विकास के बारे में कृषि विभाग के शृत्य मांगों के ग्राकलन ग्रीर लक्ष्यों के नियतन से श्रधिक नहीं;
- (ग) शल्क लाख उद्योग; ग्रीर
- (घ) मछिलियों का संसाधन (जिसके श्रंतर्गत डिब्बों में बन्द करना श्रौर हीमीकरण भी सिम्मिलित हैं)।";
- (ii) प्रविष्टि 7 में, "तथा श्रीद्योगिक प्रयोजनों के लिए मछलियों का संसाधन" णब्दों का लोप किया जाएगा;
- (ख) "ख. खाद्य विभाग" उप-शोर्षक के अन्तर्गत, प्रविष्टि 7 के स्थान पर, निम्न-लिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, प्रथात :——
  - "7. वे उद्योग, जिनके लिए संसद् ने विधि द्वारा घोषणा की है कि उन पर संघ का नियंत्रण लोक हित में समीचीन है, वहां तक जहां तक उनका सम्बन्ध निम्नलिखित से हैं:——
    - (क) फल ग्रीर सब्जी संसाधन उद्योग (जिस के श्रन्तर्गत हिमीकरण ग्रीर निर्जलीकरण श्राते हैं);
    - (ख) शर्करा उद्योग (जिसके प्रन्तगत गुड़ ग्रीर खंडसारी ग्राते हैं) ; भीर
    - (ग) खाद्यान पिसाई उद्योग।";
- (2) ''थाणिज्य मंत्रालय'' शीर्षंक के ग्रन्तर्गत,
  - (क) ''क. विदेश व्यापार विभाग'' उप-शोर्षक के धन्तर्गत, प्रविष्टि 8 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, श्रशीत् :——
    - "8. राज्य व्यापार की नीतियां और इस प्रयोजन के लिए स्थापित संगठनों का कार्य, जिनमें ये आते हैं:——
      - (i) राज्य व्यापार निगम श्रौर उसकी निम्नलिखित सहायक संस्थाएं:——(क) भारतीय काजु निगम;
        - (ख) भारतीय परियोजना भ्रौर उपस्कर निगम ।
      - (ii) खनिज ग्रौर धातु व्यापार निगम।";
  - (ख) ''ग. वस्त्र विभाग'' उप-फोर्षक के अन्तर्गत, प्रविष्टि ৪ के पश्चात्, निम्नर्लिखत प्रविष्टि जोड़ी जाएगी, अर्थात्:——
    - हथकरघा विकास श्रायुक्त ।";

- (3) "णिक्षा विभाग श्रौर समाज कल्याण मंत्रालय" शीर्षक के अन्तर्गत, "क. शिक्षा विभाग" उपशीर्षक के नीचे, प्रविष्टि 24 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, श्रयीत :---
  - ''24 विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और उच्चतर शिक्षा संस्थाओं के अध्यापकों को विदेशों में नियुक्ति स्वीकार करने की अनुमति प्रदान करना।";
- (4) "उद्योग मंत्रालय" शीर्षक के श्रन्तर्गत, "क. श्रीद्योगिक विकास विभाग" उप-शीर्षक के नीचे, प्रविष्टि 6 के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, श्रथात् ——
  - "6 किसी अन्य विभाग के अन्तर्गत आने वाले उद्योगों से भिन्न समस्त उद्योगों की योजना, विकास और नियंतण और उनकी सहायता, परन्तु उनके अन्तर्गत, डबल रोटी, तिलहन चूर्ण (खाद्य), नाग्ते के आहार, विस्कृट, मिष्ठान्न (जिसके अन्तर्गत कीको संसाधन और चाकलेट बनाना भी आता है), माल्टसार, पृथक्कृत प्रोटीन, उच्च प्रोटीन श्राहार, स्तम्य त्याग आहार और उत्पादित (एक्स्ट्रेडिड) खाद्य उत्पाद (जिनके अन्तर्गत तत्काल खाने योग्य अन्य आहार आते हैं), तत्काल तैयार की जाने वाली चाय और कहवा, से सम्बद्ध उद्योग आते हैं।"

फ़ खरुद्दीन म्नली सहमद, राष्ट्रपति ।

[सं॰ 74/2/6/76-सी॰ एफ॰] श्रार॰ एम॰ श्रप्रधाल, संयुक्त सचिव ।